सक्सेस मिरर

सफलता का कैप्सूल

वर्ष : 7
अंक : 72
जनवरी : 2016

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

9 | बीती ताहि बिसार देहि आगे की सुधि लेह

10 | समसामयिकी घटना संग्रह

12 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- कोल इंडिया लिमिटेड में 10 प्रतिशत प्रदत्त इक्विटी पूँजी के विनिवेश को मंजूरी
- आरबीआई ने सहकारी बैंकों में इंटरनेट बैंकिंग हेतु समान दिशा-निर्देश जारी किए
- भारत दुनिया का 7वाँ सर्वाधिक मूल्यवान ब्रांड बना

23 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- दिल्ली सरकार ने जन लोकपाल विधेयक–2015 को मंजूरी प्रदान की
- उत्तर प्रदेश सरकार ने 50 जिलों को सूखाग्रस्त घोषित किया
- नीतीश कुमार ने पाँचवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली

27 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मलेशिया–सिंगापुर दौरा सम्पन्न
- मॉरिसियो माकरी ने अर्जेंटीना के राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज की
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ब्रिटेन और तुर्की की पाँच दिवसीय यात्रा सम्पन्न

31 | खेल खिलाड़ी

- रविचन्द्रन अश्विन भारत के सबसे तेज 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बने
- आईएएएफ द्वारा रूस ट्रैक और फील्ड स्पर्द्धाओं से निलम्बित
- रोजर फेडरर ने वर्ष 2015 के स्विज इनडोर के पुरुष एकल वर्ग का खिताब जीता

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | ज्वलंत समस्या लेख–आतंकवाद एवं भारत

40 | शिक्षा एवं शिक्षण लेख–अध्यापक शिक्षा में नवाचार

42 | कृषि लेख–जैविक खेती : आधुनिक समय की माँग

86 | विविध तथ्य–बैंकिंग : एक दृष्टि में

89 | वार्षिक रिपोर्ट 2014-15–खाद्य और सार्वजनिक वितरण क्षेत्र में वर्तमान स्थिति एवं प्रगति–एक दृष्टि में

93 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता

95 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-69 का परिणाम

96 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

43 मध्य प्रदेश वनरक्षक चयन परीक्षा, 2015

57 उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता (पुरुष) के लिए एकवर्षीय पूर्ण प्रशिक्षण हेतु प्रतियोगिता परीक्षा, 2015

63 उत्तर प्रदेश परिवहन निगम परिचालक परीक्षा, 2015

72 रेलवे भर्ती सेल (अहमदाबाद) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014

78 आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना–800 004
मो–09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139 (उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

''अतीत की स्मृतियों–अच्छी या बुरी–को मन पर लादकर भविष्य की राह को आसान नहीं बनाया जा सकता. प्रत्येक सबेरा सूर्य की नई किरण के साथ नया संदेश लाता है.''

इस सृष्टि चक्र में ऐसा एक भी क्षण नहीं आया, जो क्षण से ज्यादा ठहर पाया हो. ऐसा एक भी पल नहीं आया, जो पल भर से अधिक रुक पाया हो. यहाँ हर समय, समय बदलता है और समय के आयाम में सब कुछ बदलता है. समय में सब समाए हुए हैं यही तो कारण है कि हम 'काल' को 'समय' कहते हैं. सह मय कहते हैं. सम्पूर्ण अस्तित्व की समाहिति का नाम 'समय' है.

अस्तित्व का तुरीय आयाम (Fourth Dimension) समय है. जिसे देखा, छुआ, सूँघा, चखा व पकड़ा नहीं जा सकता उसे 'समय' कहते हैं. समय की पकड़ सम्भव ही नहीं. बहती धार को रोकना कदाचित् सम्भव हो जाए, तब भी समय की धार न रुकी है, न रुकती है, न ही कभी रुकेगी.

जो रुके हैं रुकना चाहते हैं वे भी रुक तो नहीं पाते, किन्तु रुकने की चाहत के कारण धोखा खा जाते हैं. ठहरने की चाहत ही 'मिथ्या' है. पर मिथ्या को उपजाना मन की पुरानी आदत है. 'मन' वह जिसे समय की स्मृतियों को सँजोने की आदत है. वह ही परिचित है अतीत से बीते युग की बातों से. वर्तमान को अतीत के आईने से देखने की आदत है–मन की. मन का संचार सर्वत्र है, जो बीता उस समय में भी वह गति कर सकता है, जो आया नहीं, उस समय की भी वह कल्पना कर सकता है. जो 'है' उससे फिसल-फिसल जाता है, हमारा मन. मन ने ही सदियों को सँजोया, पुरखों का परिचय कराया, सभ्यताओं की नदी को मुहानों का ज्ञान कराया. पर मन एक साधन मात्र है, ठीक वैसा ही जैसे देह के लिए नेत्र, वैसे ही आत्मा के लिए मन. इस मन को कहाँ ले जाना, यह निर्णय 'आतमदेव' का है. हमारा अपना है. हम 'मन' नहीं हैं, मन के स्वामी हैं, निज के नाथ हैं. मालिक हैं, खुद-खुदा हैं, परन्तु मन की अतीत की बातों के मोह से न जुदा हैं.

अतीत के सुखों की स्मृतियाँ तो वर्तमान को दुःखों से भरती ही हैं. अतीत के दुःखों की यादें भी वर्तमान को दुःखों से भर देती हैं. बीती, बातें हर हाल में सताती हैं, चाहे वे रंगीली रही हों, चाहे वे दर्दीली रही हों. अतीत की बातों का नशा 'प्रमाद' है. वह हमें गफलत में डालता रहता है. गाफिल बनाए रखता है.

अतीत के रेखाचित्र जानने योग्य तो हैं, किन्तु उन आदर्शों का अनुगमन (Following) सम्भव नहीं है. आदर्श बातें कितनी भी लुभावने क्यों न हों, प्रेरणादायक क्यों न हो, किन्तु उनकी प्रतिकृति (Photocopy) सम्भव नहीं है. सृष्टि का हर कण नया है उसे निर्भ्रान्त चित्त से देखा जाना योग्य है. यद्यपि अधिकांश लोग ऐसा कर नहीं पाते. हम में से अधिकांश लोग मन के गलियारों में भटकते हुए अपनी जिंदगी जाया करते रहते हैं. पुरानी यादों के मोह में निज मान भुला कर जीना वस्तुतः जीना नहीं है. समझदार इंसान अतीत से सीख लेता है, किन्तु उसकी स्मृतियों में खोया नहीं रहता. वह जानता है कि जो बीता वो बीत गया.

'Let bygones, be bygones'